



ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या

सत्य से साक्षात्कार सहजयोग

मानव जीवन केवल जन्म लेने, सांसारिक जिम्मेदारियाँ निभाने और सुख-सुविधाएँ प्राप्त करने के लिए नहीं है। हमारे जीवन का वास्तविक उद्देश्य है-अपने आपको जानना। सदियों से मनुष्य के भीतर एक प्रश्न उठता आया है-“मैं कौन हूँ?” इस प्रश्न का उत्तर ही हमारी आध्यात्मिक यात्रा का प्रारंभ है।

आद्य शंकराचार्य ने कहा-“ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या।” इसका अर्थ है कि परम सत्य ब्रह्म है, जबकि यह

संसार परिवर्तनशील और क्षणभंगुर है। जिस परमपिता परमेश्वर की हम खोज बाहर करते हैं, उसी का अंश हमारे भीतर आत्मा के रूप में विद्यमान है। आत्मसाक्षात्कार उस आंतरिक सत्य को अनुभव करने का द्वार है। किन्तु मनुष्य अपने दैनिक जीवन, परिवार, संबंधों, इच्छाओं और भौतिक उपलब्धियों में इतना उलझ जाता है कि अपने वास्तविक स्वरूप को भूल जाता है। इसी सत्य को समझने वाली नारद मुनि की कथा अत्यंत सुंदर है।

धर्म समाज संस्कार हमारी पहचान

एक समाज एक संस्कृति एक ध्वज एक संकल्प सनातन की एकता

कुंवर धर्मेन्द्र सिंह गौतम राष्ट्रीय अध्यक्ष माँ करणी सेना

गोपाल गावडे राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सनातन प्रबोधि, माँ करणी सेना

माँ करणी सेना

विशाल सदस्यता अभियान

मिस्ट कॉल दें और माँ करणी सेना के साथ जुड़ें

+91 79877 84129

WhatsApp पर “जय माँ करणी” लिखकर भेजें। आपको हमारे द्वारा सदस्यता अभियान के लिए जोड़े दिया जाएगा।

98270 68888

आइए, समाज और सनातन को एक सूत्र में जोड़ें।

संगठन से जुड़ें समाज को जोड़ें सनातन की एकता को मजबूत करें

राष्ट्रपति भवन में स्विस् राष्ट्रपति गाइ परमेलिन का औपचारिक स्वागत



नई दिल्ली। परमेलिन 7 अक्टूबर तक भारत की तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर हैं। यह उनकी भारत की पहली राजकीय यात्रा है और इस वर्ष फरवरी में एआई इम्पैक्ट समिट में शामिल होने के बाद भारत का दूसरा दौरा है। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति परमेलिन के बीच द्विपक्षीय वार्ता होगी।

बातचीत में व्यापार एवं निवेश

विज्ञान-तकनीक, नवाचार, मोबिलिटी, संस्कृति और लोगों के बीच संपर्क सहित कई क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की जाएगी। दोनों नेता क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों तथा बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग पर भी विचार साझा करेंगे। विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी स्विस् राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे।

इस यात्रा का आर्थिक पक्ष

महत्वपूर्ण है परमेलिन 7 अक्टूबर को होने वाले दूसरे भारत-EFTA प्रॉस्पेक्टि समिट में शामिल होंगे। यह भारत-EFTA व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (TEPA) के लागू होने की पहली वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित हो रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानेश कुमार को हटाने पर रोक नहीं लगाई

निलंबन से किया इनकार



नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार को तत्काल पद से निलंबित करने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। हालांकि, अदालत ने मामले को गंभीरता से लेते हुए चुनाव आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों—सुखबीर सिंह संधू तथा विवेक जोशी—को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि पहले चुनाव आयोग का पक्ष सामने आना चाहिए। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR), फॉर्म-6 में बदलाव और आयोग के कुछ अन्य फैसले निर्धारित संवैधानिक प्रक्रिया के अनुरूप नहीं लिए गए। याचिका में यह भी दावा किया गया कि आयोग के फैसलों में सर्वसम्मति अथवा बहुमत की प्रक्रिया का पालन होना चाहिए। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने ज्ञानेश कुमार को निलंबित करने और बाकी दोनों चुनाव आयुक्तों को आयोग का कामकाज संभालने देने की मांग की थी।

‘एक लाख पद खाली तो भर्ती इतनी कम क्यों?’

शिक्षक भर्ती पर राहुल गांधी ने मोहन सरकार को घेरा

मध्य प्रदेश में शिक्षक भर्ती को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर सरकार से सीधा जवाब मांगा है।

भोपाल। राहुल गांधी ने प्रदेश में शिक्षकों के करीब एक लाख पद रिक्त होने का दावा करते हुए सवाल उठाया कि इतनी बड़ी संख्या में पद खाली होने के बावजूद भर्ती प्रक्रिया सीमित स्तर पर क्यों की जा रही है।

पत्र में राहुल गांधी ने शिक्षक पदों की कमी को सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ते हुए पर्याप्त संख्या में नियुक्तियां करने की जरूरत बताई।

शिक्षक भर्ती पर राहुल गांधी का सवाल



सरकार से रिक्त पदों की वास्तविक संख्या, स्वीकृत पदों और भर्ती प्रक्रिया को लेकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है

मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरियों और खाली पदों को लेकर कांग्रेस लगातार सरकार को घेरती रही है। शिक्षक भर्ती भी इसी राजनीतिक बहस का हिस्सा है। कांग्रेस का तर्क है कि एक ओर बड़ी संख्या में युवा रोजगार का इंतजार कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी बनी हुई है। अब राहुल गांधी के पत्र के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव सरकार के जवाब पर नजर है।

छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने रामपुर विधायक फूलसिंह राठिया का साल एवं गुलदस्ता देकर स्वागत किया

कोरबा/रामपुर। 04 अक्टूबर रविवार को छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के सदस्यों ने रामपुर विधायक फूलसिंह राठिया के निज निवास केरवाद्वारी पहुंचकर उनसे सौजन्य मुलाकात की और उनका साल, श्रीफल एवं पुष्प माला से स्वागत किया।

संघ के सदस्यों ने

विधायक श्री राठिया से आवश्यक चर्चा की और विधायक श्री राठिया ने समाज के निचले तबके में शामिल अखबार वितरकों की समृद्धि एवं सहायता के लिए सहयोग करने का आश्वासन दिया।

श्री राठिया के आवभगत से संघ



के सदस्य काफी अभिभूत हुए और उनकी विनम्रता के कायल हुए। रामपुर विधायक फूलसिंह राठिया से सौजन्य मुलाकात करने वालों में प्रदेश अध्यक्ष पदम सिंह चंदेल, संरक्षक रेशम साहू, जिला अध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू, जिला सचिव जय कुमार नेताम,

कोषाध्यक्ष लक्ष्मी राठौर, मीडिया प्रभारी रामायण सिंह (रामा), अनिल गिरी, राय सिंह, राकेश साहू, रंजीत पटेल, कृष्णा निर्मलकर, रतन पटेल, दिलभरन सिंह, अजय कुमार बरेठ सहित रामपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत अखबार वितरक उपस्थित थे।

नटेरन पुलिस की त्वरित कार्रवाई-नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाब कर दुष्कर्म के आरोपी को किया गिरफ्तार

धर्मेन्द्र गुप्ता

पुलिस अधीक्षक विदिशा श्री रोहित काशवानी के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका तिवारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) श्रीमती शिखा भलावी के मार्गदर्शन में नाबालिग बालिका की पतारसी एवं प्रकरण में त्वरित कार्रवाई हेतु थाना नटेरन से विशेष पुलिस टीम गठित की गई। थाना नटेरन अंतर्गत ग्राम रायखेड़ी से एक नाबालिग बालिका के घर से बिना बताए चले जाने की सूचना प्राप्त हुई। परिजनों की रिपोर्ट पर थाना नटेरन में अपराध क्रमांक 233/2026, धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। थाना प्रभारी नटेरन निरीक्षक वीरेन्द्र कुमार के



नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा सतर्कता एवं संवेदनशीलता के साथ बालिका की तलाश के लिए लगातार प्रयास किए गए। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दिनांक 04.10.2026 को नाबालिग बालिका को भोपाल से सकुशल दस्तयाब किया। बालिका के कथन एवं विवेचना में सामने आए तथ्यों के आधार पर प्रकरण में धारा 87, 64(1), 64(2)(M) बीएनएस एवं धारा 5L/6 पॉक्सो एक्ट का इजाफा किया गया।

खकनार में “सेवा सेतु कैम्प” का आयोजन प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

महेन्द्र मालवीय- रणजीत टाईम्स खकनार वितरण केंद्र में म. प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा आयोजन किया गया कैम्प के मुख्य उद्देश्य

» » उद्देश्य: नागरिकों और बिजली उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर लगाने के लिए प्रेरित करना और मुफ्त बिजली का लाभ दिलाना

» » ऑन-द-स्पॉट सुविधा: उपभोक्ताओं का पोर्टल और मोबाइल के जरिए निशुल्क ऑनलाइन पंजीयन किया गया

» » मार्गदर्शन: सोलर वेंडर्स ने सिस्टम की लागत, स्थापना और प्रक्रिया की जानकारी दी

» » फाइनेंस/ऋण सुविधा: बैंक प्रतिनिधि भी मौजूद रहे ताकि सोलर लगाने के लिए लोन की सुविधा मिल सके

» » बिजली बिल में बचत: अधिकारियों ने बताया कि रूफटॉप सोलर से बिल कम होगा और अतिरिक्त बिजली से कमाई भी हो सकती है

» » रूफटॉप सोलर लगाने की प्रक्रिया, पात्रता, जरूरी दस्तावेज और



सब्सिडी की जानकारी दी जिसमें अधिकतम 78000 रु है

» » समस्याओं का समाधान: लंबित आवेदन, नेट मीटर लगवाना, मीटर बदलना, बिलिंग और सोलर प्लॉट की कमीशनिंग जैसी दिक्कतों मौके पर सुलझाई

» » आर. एस. पालवी - कार्यपालन यंत्री, बुरहानपुर नवनीत खनूजा - कनिष्ठ यंत्री, खकनार राहुल जाधव - भाजपा नेता

» » “सेवा सेतु कैम्प” का मकसद योजना को गांव-गांव तक पहुंचाना है ताकि ज्यादा से ज्यादा घरों की छत पर सोलर लग सके और लोगों को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिले- आर एस पालवी, कार्यपालन यंत्री बुरहानपुर

विदिशा में 70वीं राज्य स्तरीय शालेय वॉलीबॉल एवं मलखंब प्रतियोगिता का भव्य आगाज, 90 शिक्षक संभालेंगे व्यवस्थाएं

धर्मेन्द्र गुप्ता

विदिशा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्थानीय जिला खेल परिसर में आयोजित होने वाली 70वीं राज्य स्तरीय शालेय वॉलीबॉल और मलखंब प्रतियोगिता की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। इस भव्य खेल आयोजन को सुचारू और अनुशासित ढंग से संपन्न कराने के लिए विभाग पूरी तरह सजग है। प्रतियोगिता में व्यवस्थाओं की निगरानी और संचालन का जिम्मा 90 नियमित शिक्षकों, खेल शिक्षकों तथा अतिथि खेल शिक्षकों की टीम को सौंपा गया है। आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए कामधेनु मंगल वाटिका के हॉल में एक विशेष समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नोडल अधिकारी एस पी सिंह जाटव, प्राचार्य खज्जाना सिंह एवं जिला खेल अधिकारी प्रशांत रघुवंशी ने उपस्थित सभी शिक्षकों एवं अधिकारियों को उनके दायित्वों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें।

नगरपालिका के नोटिस को बताया गैर कानूनी, व्यवसायी पहुंचे सर्वोच्च न्यायालय



अरवि गोस्वामी

नगरपालिका द्वारा जारी किए गए नोटिस और अतिक्रमण/कार्रवाई की चेतावनियों के बीच संबंधित व्यवसायी/समीर गांधी ने अपना पक्ष रखा है। उन्होंने पालिका प्रशासन पर कानूनी प्रक्रियाओं का सही ढंग से पालन न करने का आरोप लगाया है।

जमीन का मालिकाना हक: व्यवसायी ने बताया कि संबंधित जमीन ग्वालियर भारत के नाम दर्ज संस्था की है और वे उसमें भागीदार (पार्टनर) के तौर पर काम कर रहे हैं। इस जमीन का कुल फ्रंट लगभग 650 फीट है, जिसमें से करीब 100

फीट फ्रंट (1/6 भाग) उनका है। नोटिस की वैधता पर सवाल: उन्होंने कहा कि नगरपालिका की ओर से मिला नोटिस गैर-कानूनी है। कानून के अनुसार किसी भी कार्रवाई से पहले कम से कम 15 दिन का नोटिस दिया जाना चाहिए, सुनवाई का अवसर मिलना चाहिए और अंतिम नोटिस जारी होना चाहिए। जबकि उन्हें 10 दिन का नोटिस दिया गया, जो नियमों के विपरीत है।

सर्वोच्च न्यायालय में मामला विचारधीन: व्यवसायी ने जानकारी दी कि वे इस मामले को लेकर सर्वोच्च न्यायालय (Supreme Court) की शरण में गए हैं।

श्राद्ध केवल कर्मकांड नहीं बल्कि पूर्वजों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और जीवन में श्रेष्ठ परिवर्तन का संकल्प है- ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी

श्राद्ध के 16 दिन हमें माता-पिता एवं पूर्वजों के संस्कारों को जीवन में अपनाने और जीते-जी उनकी सेवा करने का देते हैं संदेश

धर्मेन्द्रगुप्ता

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय चर्च वाली गली रोड स्थित सेवा केंद्र द्वारा बेतवा तट रिफ्टा घाट पर जाकर संदेश दिया गया की श्राद्ध शब्द ‘श्रद्धा’ से बना है।

जब हम श्रद्धा और विश्वास के साथ कोई कार्य करते हैं तो हमारे भाव और संकल्पों का प्रभाव वातावरण तक

पहुंचता है। श्रद्धा के साथ जब हम अपने पूर्वजों को याद करते हैं, उनके प्रति शुद्ध संकल्प और कृतज्ञता के भाव अर्पित करते हैं, तो यही वास्तविक अर्थों में श्राद्ध है। श्राद्ध केवल पूर्वजों को याद करने की एक क्रिया नहीं, बल्कि उनके श्रेष्ठ गुणों, संस्कारों और कर्तव्यों को स्मरण कर उन्हें अपने जीवन में उतारने का अवसर है। यह आध्यात्मिक विचार ब्रह्माकुमारी रेखा



दीदी ने श्राद्ध के महत्व पर प्रकाश डालते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि श्राद्ध के समय प्रत्येक व्यक्ति अपने माता-पिता और पूर्वजों के अच्छे गुणों, उनके त्याग,

सेवा, संस्कार और कर्तव्यों को याद करता है। हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि उन्होंने अपने जीवन में जो श्रेष्ठ कार्य किए, उन मूल्यों को हम भी अपने जीवन में अपनाएं। उन्होंने कहा कि जाने-अनजाने में हमसे कई बार ऐसी गलतियां हो जाती हैं, जिससे हमारे माता-पिता अथवा किसी प्रियजन का मन दुखता है। श्राद्ध का समय हमें आत्मचिंतन करने का अवसर देता है। हमें

अपने पूर्वजों के प्रति सच्चे हृदय से क्षमा मांगनी चाहिए, अपनी भूलों का प्रायश्चित्त करना चाहिए और स्वयं में सकारात्मक परिवर्तन लाने का शुद्ध संकल्प लेना चाहिए। यही सच्ची श्रद्धा है। आगे दीदी ने कहा कि श्रद्धा केवल एक क्रिया पूरी कर लेने का नाम नहीं है, बल्कि यह पूर्वजों के प्रति हमारे भाव, सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक है।

पत्रकार पर कथित हमले के विरोध में पत्रकार संगठन ने सौंपा ज्ञापन

आदित्य शर्मा

इंदौर। पत्रकार नवीन कुमार के साथ पांच दिन पहले हुई कथित मारपीट और हमले की घटना को लेकर पत्रकारों में आक्रोश देखने को मिल रहा है। घटना के विरोध में सोमवार को पत्रकार संगठन के प्रतिनिधियों ने पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचकर पुलिस अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा और पूरे मामले की निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच की मांग की।

पत्रकार संगठन ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि पत्रकार नवीन कुमार के साथ हुई कथित मारपीट और हमले की घटना को गंभीरता से लेते हुए घटनाक्रम से जुड़े प्रत्येक पहलू की जांच की जाए। संगठन का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति सामने आ सकेगी और यदि कोई व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

ज्ञापन में कथित रूप से मामले से जुड़े भू-माफिया विकास झरिया और पटवारी लखन मालवीय की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई। पत्रकार संगठन ने कहा कि घटनाक्रम से जुड़े सभी व्यक्तियों की भूमिका, उनके बीच की कड़ियों और घटना से पहले एवं बाद में हुए घटनाक्रम की पुलिस द्वारा निष्पक्ष तरीके से जांच की जानी चाहिए। इसके साथ ही विवादित मकान को तोड़े जाने से जुड़े पूरे मामले की भी जांच की मांग पुलिस प्रशासन के समक्ष रखी गई। संगठन ने कहा कि मकान तोड़े जाने की कार्रवाई किन परिस्थितियों में हुई, इसमें कौन-कौन लोग शामिल थे और पूरी कार्रवाई नियमानुसार हुई या नहीं, इसकी भी जांच होना आवश्यक है।

पत्रकार संगठन के प्रतिनिधियों ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि पत्रकार के साथ हुई कथित घटना को केवल एक व्यक्तिगत विवाद के रूप में नहीं देखा



जाना चाहिए, बल्कि पूरे घटनाक्रम के प्रत्येक पहलू की निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए। पत्रकारों ने कहा कि पत्रकार अपने कार्य के दौरान जनता की आवाज और जनहित के मुद्दों को सामने रखने का काम करते हैं। ऐसे में किसी पत्रकार के साथ यदि कथित रूप से मारपीट या हमला होता है तो मामले की निष्पक्ष जांच होना बेहद जरूरी है। ज्ञापन देने पहुंचे पत्रकारों ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि घटना से संबंधित सभी उपलब्ध साक्ष्यों, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान

और घटनाक्रम से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जाए। साथ ही जिन लोगों के नाम या भूमिका सामने आ रही है, उनकी भी निष्पक्ष तरीके से जांच कर वास्तविक तथ्यों को सामने लाया जाए।

पत्रकार संगठन ने स्पष्ट किया कि उनकी मांग किसी व्यक्ति को पहले से दोषी ठहराने की नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच के माध्यम से सच्चाई सामने लाने और दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करने की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान

पत्रकारों ने कहा कि पुलिस प्रशासन मामले को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र जांच पूरी करे, ताकि घटना को लेकर बनी असमंजस की स्थिति दूर हो और वास्तविक तथ्य सामने आ सकें।

इस दौरान पत्रकार खुशबू श्रीवास्तव, हर्ष सांवले, रोहित शर्मा, आशीष शर्मा, आदित्य शर्मा, पुष्पा यादव, नेहा वर्मा, नाज शेख, आमिन अंसारी, रोहित जॉर्ज, मनोज सालुंके, कमलेश मौर्य, विवेक सिंह, नासिफ खान, राहिस बैंग, आशीष जमडेकर, सचिन कौशल और पितम सिंह सहित अन्य पत्रकार मौजूद रहे। फिलहाल पत्रकार संगठन ने पुलिस प्रशासन के सामने अपनी मांगें रखते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। अब पुलिस जांच में सामने आने वाले तथ्यों और प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

हरसूद में रानी दुर्गावती जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा, मुख्यमंत्री मोहन यादव का हुआ स्वागत

पुनीत सेन

हरसूद। वीरांगना रानी दुर्गावती की जयंती के अवसर पर सोमवार, 5 अक्टूबर को हरसूद में भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल हुए। मुख्यमंत्री के हरसूद आगमन पर जनप्रतिनिधियों एवं गौड समाज के लोगों द्वारा उनका स्वागत किया गया। रानी दुर्गावती जयंती के अवसर पर बाबा बुखारदास से बागेश्वर मैदान, हरसूद तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में गौड समाज सहित विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हुए। पारंपरिक वेशभूषा, सजी हुई झांकियों और उत्साह के साथ लोगों ने शोभायात्रा में भाग लिया। पूरे मार्ग पर लोगों में उत्साह देखने को मिला। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आगमन को लेकर प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी व्यवस्था संभालते नजर आए। मुख्यमंत्री के साथ सुरक्षा



दल और प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। शोभायात्रा के दौरान रानी दुर्गावती के शौर्य, साहस और बलिदान को याद किया गया। बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी के चलते हरसूद में जयंती समारोह का माहौल उत्सवमय रहा। शोभायात्रा बाबा बुखारदास से प्रारंभ होकर बागेश्वर मैदान पहुंची, जहां कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गौड समाज के लोगों ने रानी दुर्गावती के इतिहास और उनके योगदान को याद करते हुए जयंती समारोह में बढ़-चढ़कर सहभागिता की। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों की भी उपस्थिति रही।

डॉक्टर की मांग पर अड़े ग्रामीण: मनपुरा PHC में भूख-हड़ताल का तीसरा दिन, जिम्मेदार अधिकारियों ने नहीं ली सुध



हेमंत भार्गव

मनपुरा। शिवपुरी जिले के मनपुरा क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) में नियमित चिकित्सक की व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीणों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। करीब चार-पांच वर्षों से डॉक्टर की नियमित पदस्थापना नहीं होने से नाराज समाजसेवी युवाओं ने स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर 1 अक्टूबर से भूख-हड़ताल शुरू कर दी है। भूख-हड़ताल पर बैठे दिनेश सगर का आज तीसरा दिन है। आंदोलनकारियों का आरोप है कि तीन दिन बीत जाने के बावजूद अब तक किसी जिम्मेदार अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर उनकी सुध नहीं ली है।

रिटायर्ड SI से 40 लाख की धोखाधड़ी, बेटे के कारोबार के लिए 50 लाख का सरकारी लोन दिलाने का झांसा

राजेश धाकड़

इंदौर। राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में सरकारी लोन दिलाने के नाम पर एक सेवानिवृत्त सब-इंस्पेक्टर से लाखों रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोपी ने पीड़ित के बेटे के कारोबार के लिए 50 लाख रुपए का सरकारी लोन दिलाने का झांसा दिया और लोन की प्रक्रिया पूरी कराने के नाम पर अलग-अलग किस्तों में करीब 40 लाख रुपए ऐंठ लिए। जानकारी के अनुसार, वीआईपी नगर निवासी 72 वर्षीय गोविंद सिंह तंवर की शिकायत पर राजेंद्र नगर पुलिस ने मामले की जांच की।

आरोप है कि आरोपी ने सरकारी योजना के तहत लोन स्वीकृत कराने और प्रक्रिया पूरी कराने का भरोसा दिलाकर पीड़ित से रकम ली, लेकिन न तो लोन दिलाया और न ही रकम वापस की।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर जांच, FIR दर्ज- मामले की शिकायत मिलने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के



निर्देश पर पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के बाद आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी सहित संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर उसे हिरासत में लिया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी ने इसी तरह अन्य लोगों को भी सरकारी लोन दिलाने के नाम पर अपना शिकार बनाया है या नहीं। मामले में लेन-देन और आरोपी द्वारा रकम लिए जाने से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है।

इंदौर में अभी से महंगा हुआ नारियल पानी, खिलाड़ियों की डिमांड ने बढ़ाई चिंता

राजेश धाकड़

टी-20 मैच से पहले वेस्टइंडीज टीम ने मांगा अतिरिक्त स्टॉक, 45-60 रुपये वाला नारियल पानी 70-80 रुपये तक पहुंचा

इंदौर। शहर में बढ़ते तापमान और

कम बारिश का असर अब नारियल पानी की कीमतों पर भी दिखाई देने लगा है। गर्मी बढ़ते ही नारियल पानी के दामों में इजाफा शुरू हो गया है। जो नारियल पानी कुछ समय पहले 45 से 60 रुपए में आसानी से मिल जाता था, उसकी कीमत

अब कई जगहों पर 70 से 80 रुपए तक पहुंच गई है। थोक बाजार में भी कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। मैच से पहले खिलाड़ियों ने भी खरी खिमांड-खास बात यह है कि 11 अक्टूबर को इंदौर में होने वाले टी-20 मुकाबले से

पहले खिलाड़ियों के लिए नारियल पानी की अतिरिक्त व्यवस्था की जा रही है। बताया गया कि वेस्टइंडीज टीम की ओर से नारियल पानी का अतिरिक्त स्टॉक उपलब्ध रखने की मांग की गई है। एमपीसीए के सीईओ रोहित पंडित ने

मीडिया से चर्चा में बताया कि वेस्टइंडीज टीम ने नारियल पानी की अतिरिक्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है। मैच के दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों की डाइट, हाइड्रेशन और अन्य जरूरतों का विशेष ध्यान रखा जाता है।

आत्मनियंत्रण विकसित करने में समर्थ बनाता है सहजयोग

डिजिटल एडिक्शन को नियंत्रित करने में सहायक है सहजयोग ध्यान

आज के डिजिटल युग में मोबाइल फोन हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया है। संचार, शिक्षा, मनोरंजन और कार्य के लिए मोबाइल उपयोगी है, लेकिन इसका अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग धीरे-धीरे एक गंभीर समस्या का रूप ले सकता है। लगातार स्क्रीन पर समय बिताने से नींद में कमी, आंखों में थकान, सिरदर्द, मानसिक तनाव, चिड़चिड़ापन और एकाग्रता में कमी जैसी परेशानियां सामने आ सकती हैं। बच्चों और युवाओं में मोबाइल के प्रति बढ़ती निर्भरता उनके अध्ययन, व्यवहार और सामाजिक विकास को भी प्रभावित कर सकती है। ऐसे समय में श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा प्रदत्त सहजयोग ध्यान मानसिक संतुलन और आत्मनियंत्रण विकसित करने का एक सरल एवं सहज माध्यम हो सकता है। सहजयोग का उद्देश्य व्यक्ति को अपने भीतर शांति और संतुलन की अनुभूति कराना है। नियमित ध्यान के माध्यम से व्यक्ति अपने विचारों और भावनाओं के प्रति अधिक सजग होना सीखता है तथा वर्तमान क्षण में रहना आसान होता है।

चिंता और मानसिक विचलन से मुक्ति

मोबाइल और सोशल मीडिया का लगातार उपयोग मन को बार-बार एक गतिविधि से दूसरी गतिविधि की ओर ले जाता है। इससे मानसिक एकाग्रता प्रभावित हो सकती है। सहजयोग ध्यान में निर्विचार अवस्था का अभ्यास किया जाता है, जिससे व्यक्ति अनावश्यक विचारों और मानसिक तनाव से स्वयं को अलग करना सीखता है। नियमित ध्यान मन को शांत करने और जीवन में अधिक जागरूकता लाने में सहायक हो सकता है।

आदतों पर नियंत्रण की दिशा में कदम

किसी भी आदत को संतुलित करने के लिए



आत्म-जागरूकता और इच्छाशक्ति महत्वपूर्ण होती है। सहजयोग में ध्यान के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर की स्थिति को समझने और आत्मनियंत्रण विकसित करने में समर्थ होता है।

जिससे वह मोबाइल उपयोग के लिए समय-सीमा निर्धारित करना, सोने से पहले स्क्रीन से दूरी बनाना और समय-समय पर डिजिटल डिटॉक्स अपनाने जैसे उपायों को सहजता से अपना लेता है।

सहजयोग केवल मोबाइल के अत्यधिक उपयोग को नियंत्रित करने तक सीमित नहीं है

नियमित ध्यान मानसिक शांति, एकाग्रता और संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा देने में सहायक होता है। युवाओं व किशोरों को इसके साथ रचनात्मक गतिविधियों जैसे संगीत, नृत्य, चित्रकला और लेखन में रुचि विकसित करने तथा प्रकृति के साथ जुड़ने की प्रेरणा भी मिलती है। सहजयोग ध्यान निःशुल्क है। सहजयोग के बारे में अधिक जानकारी हेल्पलाइन नंबर 18002700800 अथवा www.sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

सुख और दुःख के द्वंद्व से परे निर्मल निरानंद का अनुभव है सहजयोग

सहजयोग की साधना में कुण्डलिनी जागरण को आत्म-साक्षात्कार की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण चरण माना जाता है। जब कुण्डलिनी शक्ति साधक के भीतर जागृत होकर विभिन्न चक्रों को पार करती हुई सहस्रार तक पहुँचती है, तब चेतना एक ऐसे अनुभव की ओर अग्रसर होती है जिसे शब्दों में पूर्णतः व्यक्त करना कठिन है। श्री माताजी ने इस अवस्था के आनन्द को अत्यंत सुंदर ढंग से “निरानन्द” कहा है। सामान्य जीवन में हम आनन्द को किसी वस्तु,

व्यक्ति, उपलब्धि या परिस्थिति से जोड़कर देखते हैं। कोई इच्छा पूरी होती है तो हमें प्रसन्नता मिलती है; कोई प्रिय वस्तु प्राप्त होती है तो सुख अनुभव होता है। परंतु यह आनन्द बाहरी कारणों पर निर्भर होता है और इसलिए स्थायी नहीं रहता। सहस्रार पर पहुँचने वाला आनन्द इससे बिल्कुल भिन्न है। यह किसी बाहरी वस्तु से प्राप्त नहीं होता, बल्कि हमारे अपने भीतर स्थित आत्मा के अनुभव से प्रकट होता है। श्री माताजी के अमृतवाणी के अनुसार,

“जब कुण्डलिनी सहस्रार पर आती है तो जो आनन्द प्राप्त होता है उसका नाम ‘निरानन्द’ है। निः का अर्थ आनन्द के अतिरिक्त कुछ भी नहीं, निरानन्द!” यह कथन अपने भीतर गहरा आध्यात्मिक अर्थ रखता है। यहाँ “निरानन्द” को केवल आनन्द का अभाव समझना उचित नहीं है। इसके विपरीत, यह उस अवस्था की ओर संकेत करता है जहाँ आनन्द इतना सूक्ष्म, सहज और निरपेक्ष हो जाता है कि वह किसी कारण या अपेक्षा से बंधा नहीं रहता।

Bright Future LEARNING ACADEMY

An Initiative by **RANJEET TIMES GROUP**

ADMISSIONS OPEN 2026-27

KG-1 to Class 10

QUALITY EDUCATION, EXPERIENCED FACULTY, VALUES & DISCIPLINE, HOLISTIC DEVELOPMENT

हर बच्चे का उज्ज्वल भविष्य हमारी प्राथमिकता

प्रवेश हेतु संपर्क करें **9827068888**

BRIGHT FUTURE LEARNING ACADEMY
An Initiative by **RANJEET TIMES GROUP**

आधुनिक शिक्षा, अनुभवी शिक्षक, सुरक्षित परिसर, सर्वांगीण विकास

सूक्ष्म-ब्रह्मांड : चक्र और चेतना का रहस्य

मानव शरीर केवल हड्डियों, मांसपेशियों और अंगों का समूह नहीं है, बल्कि इसके भीतर एक सूक्ष्म ऊर्जा-तंत्र भी कार्य करता है। इसी सूक्ष्म तंत्र में स्थित ऊर्जा के विभिन्न केन्द्रों को चक्र कहा जाता है। ‘चक्र’ का शाब्दिक अर्थ ‘पहिया’ है। जिस प्रकार कोई पहिया अपनी धुरी के चारों ओर घूमता है, उसी प्रकार ये सूक्ष्म ऊर्जा-केन्द्र भी अपनी विशिष्ट गति और प्रकंपन के साथ सक्रिय रहते हैं। चक्रों को चेतना के केन्द्र भी कहा जाता है। वे शरीर, मन और भावनाओं के बीच समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रत्येक चक्र का संबंध शरीर के विशेष अंगों, तंत्रिका-तंत्र तथा अंतःस्त्रावी तंत्र से माना

जाता है। हमारे विचार, भावनाएँ, व्यवहार और जीवनशैली इन केन्द्रों की संवेदनशीलता और कार्यप्रणाली को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए अपने विचारों और कर्मों के प्रति सजग रहना आवश्यक है। जब चक्र तनाव, असंतुलन और नकारात्मक प्रभावों से मुक्त होकर ऊर्जा से परिपूर्ण रहते हैं, तब चेतना के उच्च स्तर की ओर बढ़ने की प्रक्रिया सहज मानी जाती है। कुण्डलिनी को इसी आंतरिक ऊर्जा के रूप में वर्णित किया जाता है, जो जागृत होकर ऊपर की ओर बढ़ती है



और विभिन्न चक्रों से होकर गुजरती है। यदि किसी चक्र में बाधा या असंतुलन हो, तो कुण्डलिनी की यह यात्रा प्रभावित हो सकती है। अनुचित व्यवहार, तनाव, नकारात्मक आदतें और असंतुलित जीवनशैली चक्रों की संवेदनशीलता को मलिन कर सकती हैं। इसके विपरीत, ध्यान, आत्मनिरीक्षण और संतुलित जीवन के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर अधिक शांति और सजगता का अनुभव करता है। सहजयोग ध्यान पद्धति में कुण्डलिनी जागरण और चक्रों के

संतुलन द्वारा आत्मिक विकास की प्रक्रिया घटित होती है। कुण्डलिनी बाधित केन्द्रों से होकर ऊपर उठते समय उन क्षेत्रों की ऊर्जा को संतुलित करने में सहायक होती है। इससे व्यक्ति अपने भीतर अधिक स्थिरता, शांति और सामंजस्य का अनुभव कर सकता है। सूक्ष्म ऊर्जा की जागृति हमारे भीतर के अनेक रोग, शोक व अंततः, सूक्ष्म-ब्रह्मांड की अवधारणा हमें यह समझने का अवसर देती है कि मनुष्य का अस्तित्व केवल स्थूल शरीर तक सीमित नहीं है। आत्मचेतना, विचार, भावनाएँ और आंतरिक ऊर्जा—इन सभी के समन्वय से मनुष्य अपने अस्तित्व के गहरे आयामों को समझने की यात्रा कर सकता है।

झूठ और भ्रम फैलाने की राजनीति कर रही कांग्रेस-सुमित मिश्रा

निर्वाचन आयोग के खिलाफ प्रदर्शन की नौटंकी, जनता के बीच दुष्प्रचार कर रही

संवैधानिक संस्थाओं का अपमान कांग्रेस की आदत

इंदौर। भाजपा इंदौर नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कांग्रेस द्वारा निर्वाचन आयोग के खिलाफ किए जा रहे प्रदर्शन को नौटंकी बताते हुए कहा कि कांग्रेस सत्ता पाने के लिए झूठ और भ्रम की राजनीति कर रही है। श्री मिश्रा ने कहा कि चुनाव के दौरान लगातार निर्वाचन आयोग पर ऊंगली



उठाना और चुनाव के बाद ईवीएम पर दोष मढ़ना कांग्रेस की पुरानी आदत है। चुनावी असफलताओं से हताश राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी लगातार संवैधानिक संस्थाओं का अपमान कर रहे हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने मंच पर संबोधित करते हुए वोट चोरी की बात कही है, लेकिन

राज्य विधानसभा की जनता जानती है कि भाजपा का कार्यकर्ता एक-एक बूथ पर चुनाव में डटा रहता है और वोटिंग खत्म होने के बाद वोटिंग मशीन जमा होने के बाद ही बूथ छोड़ता है, लेकिन पटवारी जी द्वारा इंदौर और प्रदेश में कांग्रेस तेल लेने जा चुकी है, चुनाव के दौरान ही अपने वीडियो में श्री पटवारी इस बात को स्वीकार कर चुके हैं।

जीराबाद पैलेस धार कांड: POCSO मामले में आरोपी मोहित जाट दोषमुक्त

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

धार। बहुचर्चित जीराबाद पैलेस धार कांड आरोपी मोहित पिता राधेश्याम जाट निवासी बबलई तहसील महेश्वर को माननीय विशेष न्यायालय पाक्सो न्यायालय धार न्यायाधीश श्रीमती सविता ठाकुर द्वितीय अपर जिला व न्यायाधीश द्वारा प्रकरण क्रमांक SC/48/2024 में फरियादी निवासी खटवाड़ी तहसील देपालपुर जिला इंदौर के द्वारा असत्य आधारों पर आरोपी मोहित पर वर्ष 2024 में पास्को अधिनियम तथा छेड़छाड़ के मामले में फसाया गया था।

जिसे माननीय न्यायालय द्वारा विचारण के उपरांत आरोपी को कल दिनांक 30/09/2026 को दोषमुक्त कर दिया। इस मामले में आरोपी की और से पैरवी वरिष्ठ अधिवक्ता श्री विकास भारद्वाज उच्च न्यायालय इंदौर के माध्यम से की गई।

गांधी जयंती पर बैकुंठ धाम कॉलोनी में पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश



अनिल चौधरी

गांधी जयंती के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली संवर्धन के उद्देश्य से बैकुंठ धाम कॉलोनी के गार्डन नंबर-1 में बैकुंठ धाम कॉलोनी रहवासी संघ द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह पौधारोपण लायन रमेश गुप्ता के स्वर्गीय पिता श्री चिरौंजीलालजी गुप्ता एवं लायन दिनेश रणधर की बैकुंठवासी मातुश्री श्रीमती राधा देवी रणधर की पुण्यस्मृति में किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के सुगंधित एवं औषधीय पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में लायंस क्लब

ईस्ट, लायंस क्लब सेंट्रल, लायंस क्लब ऑफ इंदौर सिटी एवं शाश्वत क्लब के लायन एन.के. मेहता, शोभा दुबे मैडम सहित अन्य लायन सदस्यगण तथा बैकुंठ धाम कॉलोनी रहवासी संघ के शैलेंद्र डांगी, राजेंद्र बिराणी, सुनील संघवी, रमेश पांडे, गोविंद सोनी, रामू कुशवाह सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में शैलेंद्र डांगी एवं रामू कुशवाह द्वारा सभी अतिथियों, लायन सदस्यों एवं उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त किया गया।

गांधी-शास्त्री जयंती पर पौधारोपण एवं बाल शिक्षा कार्यक्रम आयोजित



सह संपादक अनिल चौधरी

इंदौर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर स्वर्ण अंकुर भारत मिशन के तत्वावधान में श्रमिक क्षेत्र, मार्तण्ड नगर स्थित आदर्श हनी पब्लिक स्कूल में पौधारोपण, बाल शिक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को पौष्टिक नाश्ता

भी वितरित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि योग विशेषज्ञ सुदिती राजपूत ने बच्चों को गांधी जी एवं शास्त्री जी के जीवन, उनके आदर्श, सादगी, सत्य, अनुशासन, स्वच्छता और देशप्रेम से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। प्रमुख अतिथियों रमेश मौर्य, अभिषेक मिश्रा, सोनू



निहाले, सीमा जुनेजा, रिधिमा भाटी एवं ऋतु साहू ने बच्चों के साथ विभिन्न प्रेरणादायक गतिविधियों में सहभागिता की। इस दौरान बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताते हुए कहा गया कि शिक्षित, संस्कारी एवं जिम्मेदार बच्चे ही देश के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव हैं। कार्यक्रम में बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए पौधारोपण कराया गया। आयोजन का उद्देश्य

बच्चों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, शिक्षा के प्रति रुचि तथा राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा। इस अवसर पर आदर्श हनी पब्लिक स्कूल के स्कूल प्रबंधन राजेंद्र चंदेल, प्राचार्य सरोज चंदेल एवं उपप्राचार्य अर्चना सोनी सहित सपना चौहान, काजल गुप्ता एवं शालू मैडम ने स्वर्ण अंकुर भारत मिशन के सभी सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

इंदौर: वी वन हॉस्पिटल में उपचार के दौरान बसंतीलाल कारपेंटर की मौत

खुशबू श्रीवास्तव

शव सौंपने को लेकर विवाद की स्थिति बन गई। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर शव देने के एवज में 1.50 लाख रुपये अतिरिक्त मांगने का आरोप लगाया। मामले की सूचना मिलने पर अखिल भारतीय बलाई महासंघ के पदाधिकारी अस्पताल पहुंचे और प्रबंधन से चर्चा की। बातचीत के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया परिजनों के अनुसार, बसंतीलाल कारपेंटर को करीब छह दिन पहले उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बीती रात उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। परिवार का दावा है कि उपचार के



दौरान अस्पताल में 1.50 लाख रुपये से अधिक की राशि जमा कराई जा चुकी थी। इसके बावजूद मृत्यु के बाद शव सौंपने के लिए कथित तौर पर 1.50 लाख रुपये अतिरिक्त मांगे गए।

महासंघ के पदाधिकारियों ने की चर्चा

परिजनों ने मामले की जानकारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार को दी। उनके निर्देश पर प्रशांत चौहान,

सचिन कोचले, सुनीता ठाकुर, प्रशांत सावनेर और पप्पू चौहान अस्पताल पहुंचे। पदाधिकारियों ने परिजनों की समस्या अस्पताल प्रबंधन के सामने रखी और शव सौंपने को लेकर चर्चा की। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने शव परिजनों को सौंप दिया।

संकट इस समय में परिवार के साथ खड़ा रहेगा महासंघ

महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार ने कहा कि संकट की घड़ी में पीड़ित परिवार को सहयोग देना महासंघ की जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि परिजनों की समस्या के समाधान के लिए पदाधिकारियों को अस्पताल भेजा गया है

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत 4 अक्टूबर को मगरधा में लगेगा शिविर

वीरेंद्र चौहान रणजीत टाइम्स

हरदा' मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026' के तहत हरदा जिले में प्रत्येक शुक्रवार शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में जिला प्रशासन, स्थानीय निकायों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर आम नागरिकों की समस्याएं सुनकर उनका यथासंभव मौके पर ही निराकरण कर रहे हैं। साथ ही विकास कार्यों, शासकीय योजनाओं, लोक सेवा गारंटी से संबंधित सेवाओं एवं अन्य जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा भी की जा रही है। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने बताया कि जन विश्वास अभियान के तहत हरदा विकासखण्ड के ग्राम मगरधा में 4 अक्टूबर को शिविर आयोजित

किया जाएगा, जिसमें बालागांव, बूंदड़ा, झाड़पा, जिजगांवखुर्द, नकवाड़ा, सिरकम्बा, मगरधा, डगांवाशंकर, मोहनपुर, रोलगांव, कमताड़ा, गहाल, रैसलपुर, गुठानिया व बरखेड़ी के ग्रामीण शामिल होंगे।

इस शिविर में उद्यम संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान को पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता एवं जनहित की भावना के साथ संचालित करें, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचे और नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित हो सके।

एमजीएम स्कूल में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पुनीत सेन

खंडवा। पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित विशेष अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) अनिल कुमार राय के मार्गदर्शन में थाना यातायात खंडवा द्वारा शहर के एमजीएम स्कूल में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, राहगीर योजना, सुरक्षित तरीके से सड़क पर

करने तथा यातायात संकेतों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को सड़क पर सुरक्षित आवागमन के लिए नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान निरीक्षक स्नेहा ठाकुर एवं थाना यातायात की टीम ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने के साथ-साथ अपने परिवार और समाज के अन्य लोगों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। पुलिस टीम ने विद्यार्थियों से वाहन चलाते समय सावधानी बरतने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

पुलिया निर्माण में लापरवाही के आरोप, 14.99 लाख की लागत से बनी पुलिया पर उठे सवाल

पुनीत सेन

सुकवी-मोहनिया मार्ग। शमशान घाट के पास सुकवी एवं मोहनिया मार्ग के बीच शमशान घाट के पास करीब 14 लाख 99 हजार रुपये की लागत से बनाई गई पुलिया के निर्माण को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिया निर्माण के दौरान सुरक्षा संबंधी खंभे नहीं लगाए गए, जिससे मार्ग से गुजरने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार, इस स्थान पर पहले से एक पुरानी पुलिया मौजूद थी। आरोप है कि पुरानी पुलिया के ढांचे को हटाए बिना



उसी के ऊपर नई पुलिया का निर्माण कर दिया गया। मौके से नीचे की ओर देखने पर पुराने ढांचे के अवशेष दिखाई देने की बात कही जा रही है। मौके की तस्वीरों में पुलिया के किनारे सुरक्षा व्यवस्था का अभाव दिखाई दे रहा है। वहीं पुलिया के नीचे से पानी का बहाव भी जारी है। ग्रामीणों का कहना है कि मार्ग पर आने-जाने वाले लोगों, विशेषकर बच्चों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था होना जरूरी है। ग्रामीणों ने पुलिया की निर्माण गुणवत्ता, पुराने ढांचे के ऊपर किए गए निर्माण और सुरक्षा व्यवस्था की जांच कराने की मांग की है।

ड्राई डे को लेकर अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई

दो प्रकरणों में कुल 72.85 लीटर मदिरा बरामद, आरोपीयों के विरुद्ध प्रकरण

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर,। जिले में घोषित ड्राई डे पर अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध आबकारी विभाग द्वारा लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में दिनांक 02.10.2026 को प्राप्त सूचना के आधार पर आबकारी विभाग की टीम द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में बियर, देशी मदिरा प्लेन एवं मसाला बरामद की गई। कलेक्टर इंदौर श्री शिवम वर्मा



के निर्देशानुसार एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के

निर्देशन तथा कंट्रोलर कमलेश सोलंकी, डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल और सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री देवेश चतुर्वेदी के नेतृत्व में आबकारी उपनिरीक्षक आशीष जैन एवं त्रिअंबिका शर्मा के द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर ग्राम बड़ोदिया करा, थाना खुडेल में दो स्थानों पर छापेमार कार्यवाही की गई। आरोपी श्रवण पिता जगन्नाथ कुशवाह के आधिपत्य से 120 पाव देशी मदिरा प्लेन एवं 28 कैन बोल्ट बियर जप्त की गई। वही दूसरी टीम द्वारा बादशाह ढाबा पे भी कार्यवाही उपरांत ढाबा मालिक प्रशांत कुशवाह के कब्जे से 160 पाव देशी मदिरा प्लेन/मसाला एवं 13 बॉटल बोल्ट बियर जप्त की गई। दोनों प्रकरणों में कुल 72.85 लीटर अवैध

मदिरा बरामद हुई जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 30155/- आंका गया है। मामले में आरोपीयो के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) एवं 36 (a) के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद् किया। कार्रवाई में इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका-आबकारी मुख्य आरक्षक श्री मुकेश रावत, आबकारी आरक्षक श्री संजय सिंगार, विक्रम यादव, राहुल जामोद की सक्रिय एवं महत्वपूर्ण भूमिका रही। आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन एवं अवैध विक्रय के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

15 ब्लॉक एसईसीएल हनुमान मंदिर में दंगल का आयोजन, पहलवानों ने दिखाया दमखम

कटनी, चांपा, बिलासपुर, दुर्ग सहित स्थानीय पहलवानों ने लिया हिस्सा, विजेता को 10 हजार रुपए की नगद राशि

कोरबा। वार्ड क्रमांक 15 स्थित ब्लॉक एसईसीएल के हनुमान मंदिर के पास प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 2 अक्टूबर को पारंपरिक दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

शुक्रवार को दोपहर 3 बजे से शुरू हुए दंगल में बड़ी संख्या में कुश्ती प्रेमी एवं क्षेत्रवासी पहुंचे। प्रतियोगिता में दूर-दराज क्षेत्रों से आए पहलवानों के साथ स्थानीय पहलवानों ने भी अपनी कुश्ती कला और शारीरिक दमखम का प्रदर्शन किया। दंगल में कटनी (मध्यप्रदेश), चांपा-जांजीर, बिलासपुर, दुर्ग सहित विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे



पहलवानों ने अखाड़े में एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी। पहलवानों के बीच हुए रोमांचक मुकाबलों को देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

मुकाबलों के दौरान पहलवानों ने अपनी ताकत, फुर्ती और कुश्ती के दांव-पेंच दिखाकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। आयोजन समिति की ओर से

दंगल में शामिल सभी पहलवानों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं प्रतियोगिता में विजेता रहे पहलवान को 500 रुपए से 2000 तक नगद राशि देकर समित द्वारा सम्मानित किया गया।

आयोजन समिति ने बताया कि क्षेत्र में पारंपरिक खेलों और कुश्ती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष दंगल का आयोजन किया जाता है। इस आयोजन से युवा पहलवानों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलने के साथ ही लोगों को पारंपरिक कुश्ती से जुड़ने का अवसर भी मिलता है।

इंदौर नगर निगम की कार्रवाई, दलाल बाग में सेप्टेज प्रबंधन शुल्क के रूप में वसूले 1 लाख

सुशब्रू श्रीवास्तव

इंदौर। नगर निगम आयुक्त कित्तिज सिंघल एवं स्वास्थ्य विभाग के अपर आयुक्त प्रखर सिंह के निर्देशानुसार शहर में स्वच्छता अभियान के तहत कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज दलाल बाग में चातुर्मास के दौरान दिगंबर जैन धर्म प्रभावना समिति द्वारा आयोजित प्रवचन कार्यक्रम में सेप्टेज वेस्ट मटेरियल के



निपटान को लेकर नगर निगम की टीम ने कार्रवाई की। क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सेप्टेज वेस्ट मटेरियल के निपटान का मामला सामने आने पर क्षेत्रीय स्वास्थ्य अधिकारी गौतम भाटिया, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक कमेंद्र जांगिड़ एवं पंकज सिंह राठौर की टीम ने समिति से टैंक सफाई एवं सीवेज निपटान सहित सेप्टेज प्रबंधन शुल्क के रूप में 1 लाख रुपये की राशि वसूल की। नगर निगम की टीम ने समिति के पदाधिकारियों से भविष्य में स्वच्छता नियमों का पालन करने और परिसर में स्वच्छता बनाए

kotak	
ULB Collection Revenue System	
ULB Name	Indore Nagar Nigam
Payer Name	Digamber Jain Dharm Prabhawna Samiti Dalal Bag Indore
Mobile No.	9926900055
TID	3295296A
Transaction ID	7180872776
Date & Time	03/10/2026 11:55:09
RI/ARI	Mr. Pankaj singh rathore
Trans Type	Vividh Cash Des
Ward	Ward-7
Zone	ZONE - 1
Payment Mode	CASH
Head	Fees & User Charges / शुल्क और उपयोगकर्ता शुल्क
Sub Head	Penalty & Fine -Other / दंड और जुर्माना-अन्य
GST Amount	0
Penalty	0
No of Receipt	1
Remark	Septage prabandhan shulk tank safai sewage nipatan
Paid Amount	INR 100000.00

रखने की अपील भी की।

मलगांव में पुलिस ने किया जनसंवाद, ग्रामीणों से सुरक्षा व्यवस्था पर लिया फीडबैक

पुनीत सेन

खंडवा/खालवा। थाना खालवा क्षेत्र के ग्राम मलगांव में पुलिस द्वारा जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री गजेंद्र सिंह कंवर शामिल हुए। उन्होंने ग्रामीणों, युवाओं और स्थानीय नागरिकों से क्षेत्र की समस्याओं एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने आमजन से बेहतर समन्वय स्थापित करने, उनकी समस्याओं एवं सुझावों को जानने तथा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाने को लेकर संवाद किया। पुलिस द्वारा नशे के दुष्प्रभाव, यातायात नियमों और अपराधों की रोकथाम के संबंध में भी लोगों को जानकारी दी गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री गजेंद्र सिंह कंवर ने नागरिकों से अपील की कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि, नशे के कारोबार, संदिग्ध गतिविधि या अपराध से संबंधित जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें।

शिविर के दो दिनों में 100 मरीजों का हुआ निःशुल्क उपचार,

वीरेंद्र चौहान रणजीत टाइम्स

हरदा। भाजपा के सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत, देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस एवं मध्यप्रदेश शासन के पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में हरदा कृषि उपज मंडी प्रांगण स्थित पुष्प रत्न पेट्रोल पंप पर तीन दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं उपचार शिविर 2, 3 एवं 4 अक्टूबर को आयोजित किया गया है।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में देश-विदेश के सुप्रसिद्ध एवं एक्स्प्रेसर विधि में पारंगत डॉ. एसके गर्ग आयुर्वेद शास्त्री एवं एमडी एक्स्प्रेसर नई दिल्ली द्वारा मरीजों को उपचार किया जा रहा है। भाजपा सोशल मीडिया हरदा विधानसभा सह संयोजक आशुतोष पाराशर ने बताया कि शिविर के प्रथम



एवं द्वितीय दिवस में लगभग 100 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच आयुर्वेद शास्त्री एवं एमडी एक्स्प्रेसर डॉ. एसके गर्ग ने की। उन्होंने सर्वाइकल, गठिया, काँधे का दर्द, कमर दर्द, घुटने का दर्द, स्पोन्डिलाइटिस जैसी बीमारी के मरीजों का उपचार किया और उन्हें जरूरी परामर्श दिया। वहीं आयोजन समिति ने बताया कि तीन दिवसीय शिविर का समापन 4 अक्टूबर रविवार को होगा। समिति ने आग्रह किया है शिविर का लाभ लेने अधिक से अधिक संख्या में लोग हरदा मंडी स्थित पेट्रोल पंप पहुंचें। जहां सुप्रसिद्ध एवं एक्स्प्रेसर विधि में पारंगत डॉ. एसके गर्ग द्वारा मरीजों का निःशुल्क उपचार किया जाएगा।

इंदौर: ग्रीन पार्क फायरिंग मामले में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 3 आरोपी गिरफ्तार, नाबालिग संरक्षण में

अवैध देशी पिस्टल, जिंदा राउंड, ब्लैक थार और एक्टिवा जब्त, आरोपियों के खिलाफ पहले से दर्ज हैं 11 अपराध

सुशब्रू श्रीवास्तव

इंदौर। चंदन नगर थाना क्षेत्र के ग्रीन पार्क में जान से मारने की नीयत से की गई फायरिंग के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक विधि से संघर्षरत बालक को संरक्षण में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त अवैध देशी पिस्टल, जिंदा राउंड, ब्लैक थार और एक्टिवा जब्त की है। घटनास्थल से फायर किया हुआ खाली खोखा भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, 1 अक्टूबर 2026 को फरियादी मोहम्मद समीर खान की शिकायत पर चंदन नगर थाने में अपराध क्रमांक 1186/2026 के

तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। फरियादी ने बताया कि पुराने विवाद और समझौते की बात को लेकर आरोपियों से विवाद हुआ था। इसके बाद शाम करीब 6 बजे ग्रीन पार्क कॉलोनी में डॉक्टर फारूखी के मकान के सामने आरोपियों ने उसका पीछा कर उसे रोका और जान से मारने की धमकी दी। इसी दौरान मोनू उर्फ मुसेफ ने पिस्टल से फायरिंग कर दी। घटना की गंभीरता को देखते हुए चंदन नगर पुलिस ने अलग-अलग टीमों गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की। मुखबिर की सूचना और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने घटना के कुछ ही घंटों के भीतर तीन



आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और एक नाबालिग को संरक्षण में लिया

आरोपियों से हथियार और वाहन जब्त- पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी मोनू उर्फ मुसेफ (20), निवासी ग्रीन पार्क कॉलोनी के कब्जे से अवैध देशी पिस्टल और जिंदा राउंड जब्त किए हैं। वहीं, दानिश उर्फ फाइव स्टार (18) से घटना में प्रयुक्त ब्लैक थार और अल्फाइज (18) से एक्टिवा वाहन जब्त किया गया है। मामले में शामिल एक विधि से संघर्षरत बालक की पहचान गोपनीय रखी गई है।

आरोपियों पर पहले से दर्ज हैं 11 अपराध

पुलिस के मुताबिक, आरोपी मोनू उर्फ

मुसेफ के खिलाफ पहले से 6, दानिश उर्फ फाइव स्टार के खिलाफ 4 और अल्फाइज के खिलाफ 1 आपराधिक मामला दर्ज है। आरोपियों के विरुद्ध पूर्व में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर बाउंड ओवर भी किया जा चुका है। पुलिस अब जब्त पिस्टल के स्रोत, उसकी खरीद-फरोख्त और घटना में अन्य लोगों की संभावित संलिप्तता की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक तिलक कारोले सहित चंदन नगर थाने की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि मामले में उपलब्ध भौतिक और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

इंदौर नगर निगम: 1870 की नगरपालिका से स्वच्छता की राष्ट्रीय पहचान तक

156 वर्षों का सफर-नगरपालिका से महानगर तक, और देश में स्वच्छता की मिसाल बनने की कहानी



विशेष आलेख-गोपाल गावंडे

इंदौर। आज इंदौर की पहचान केवल मध्यप्रदेश की व्यावसायिक राजधानी या खान-पान के शहर के रूप में नहीं है। नगर प्रबंधन और स्वच्छता के क्षेत्र में भी इंदौर ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन जिस इंदौर को आज हम व्यवस्थित सड़कों, घर-घर कचरा संग्रहण और स्वच्छता की मजबूत व्यवस्था के लिए जानते हैं, उसकी नगरीय प्रशासन की यात्रा लगभग डेढ़ शताब्दी पुरानी है।

1870 में हुई नगरपालिका की शुरुआत

इंदौर नगर निगम के आधिकारिक इतिहास के अनुसार 19वीं सदी में शहर के बढ़ने के साथ पानी, नालियों, सफाई और कचरा निपटान जैसी बुनियादी सुविधाओं के नियोजित प्रबंधन की आवश्यकता महसूस होने लगी। इसी पृष्ठभूमि में वर्ष 1870 में इंदौर की पहली नगरपालिका का गठन किया गया और बख्शी खजान सिंह को इसका अध्यक्ष नियुक्त किया गया। यहीं से इंदौर में संस्थागत शहरी प्रशासन की शुरुआत मानी जा सकती है।

1906 में बिजली और जल व्यवस्था की दिशा में कदम

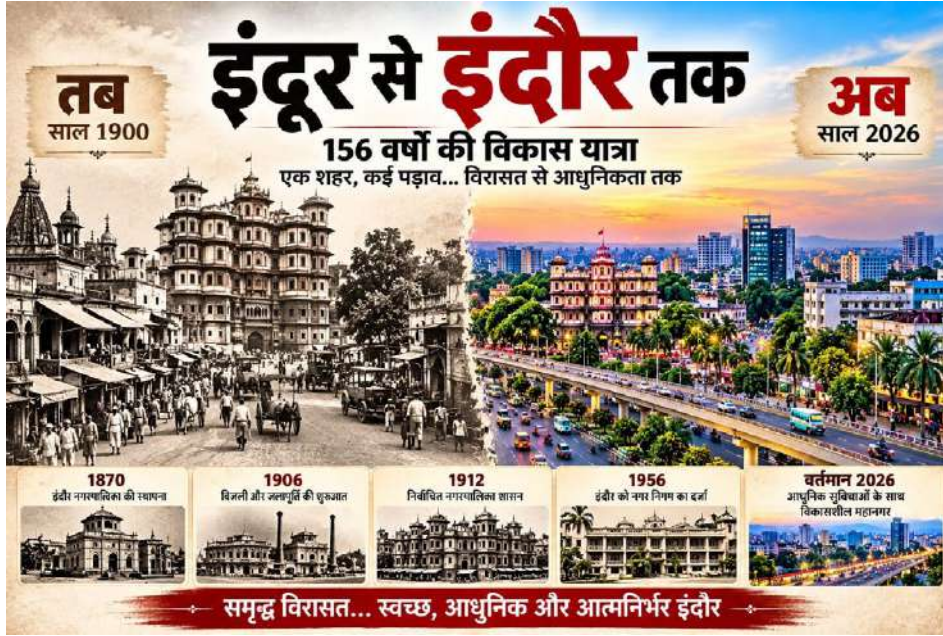
नगरपालिका बनने के बाद इंदौर ने धीरे-धीरे आधुनिक नगरीय सुविधाओं की तरफ कदम बढ़ाए। नगर निगम के इतिहास के अनुसार 1906 में इंदौर नगरपालिका ने अपना पावर हाउस शुरू किया और बिलावली जलाशय से नई जलापूर्ति व्यवस्था स्थापित की। उस दौर में किसी भारतीय शहर के लिए बिजली और संगठित जलापूर्ति व्यवस्था विकसित करना एक महत्वपूर्ण शहरी उपलब्धि थी।

1912: निर्वाचित नगरीय सरकार की ऐतिहासिक शुरुआत

इंदौर के नगरीय इतिहास का एक और महत्वपूर्ण पड़ाव 1912 में आया। नगर निगम के आधिकारिक विवरण के मुताबिक इंदौर नगरपालिका देश में निर्वाचित नगरपालिका सरकार की व्यवस्था अपनाने वाले शुरुआती शहरों में थी और IMC इसे भारत की पहली निर्वाचित municipal government के रूप में दर्ज करता है। इस व्यवस्था ने नागरिकों और नगरीय शासन के बीच लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व की नींव मजबूत की।

आजादी के बाद बदला प्रशासनिक स्वरूप

1947 में देश की आजादी के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक व्यवस्था बदली। इंदौर मध्य भारत का हिस्सा बना। मध्य भारत के स्थानीय शासन विभाग ने इंदौर को प्रथम श्रेणी की नगरपालिका का दर्जा दिया। इसके बाद 1956 में राज्यों के पुनर्गठन के साथ इंदौर नवगठित मध्यप्रदेश का हिस्सा बना और



उसी वर्ष इंदौर को नगर निगम का दर्जा मिला। यहीं से आधुनिक Indore Municipal Corporation-इंदौर नगर निगम का दौर शुरू हुआ।

नगरपालिका से विशाल नगर निगम तक

1870 में शुरू हुई नगरपालिका आज एक विशाल शहरी प्रशासनिक संस्था बन चुकी है। वर्तमान व्यवस्था में इंदौर नगर निगम क्षेत्र 85 वार्ड और 22 जोन में विभाजित है। प्रत्येक वार्ड से जनता अपना पार्षद चुनती है। नगर निगम में महापौर के साथ 85 निर्वाचित पार्षद, नगर निगम क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद तथा संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के विधायक भी वैधानिक व्यवस्था का हिस्सा हैं।

2026 में पुष्पमित्र भार्गव इंदौर के 24वें महापौर हैं

नगर निगम के जिम्मे आज केवल सफाई नहीं, बल्कि सड़क, स्ट्रीट लाइट, जल वितरण, ड्रेनेज, सीवरेज, कचरा प्रबंधन, सार्वजनिक स्वास्थ्य, उद्यान, भवन अनुमति, राजस्व और शहर की अनेक नागरिक सेवाएँ आती हैं।

राजनीतिक दौर बदलते रहे, शहर आगे बढ़ता रहा

आजादी के बाद इंदौर और मध्यप्रदेश में अलग-अलग राजनीतिक दौर आए। राज्य सरकारें बदलीं, नगर निगम के निर्वाचित नेतृत्व और प्रशासनिक अधिकारियों में परिवर्तन होते रहे। नगर निगम के विकास को किसी एक व्यक्ति या एक कार्यकाल की उपलब्धि के रूप में देखना पूरा इतिहास नहीं होगा। इंदौर के विकास में विभिन्न समय के महापौरों, पार्षदों, नगर निगम आयुक्तों, अधिकारियों, सफाई कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों, व्यापारिक संस्थाओं और सबसे महत्वपूर्ण-इंदौर की जनता-की भूमिका रही है। लेकिन स्वच्छता की कहानी बिल्कुल अलग है आज जिस उपलब्धि ने इंदौर को पूरे देश में पहचान दिलाई है, वह है-स्वच्छता। यह बदलाव एक दिन में

नहीं आया। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि Swachh Survekshan 2014 में इंदौर की रैंक 149 थी। 2016 में मिलियन-प्लस शहरों में रैंक 25 थी। लेकिन इसके बाद ऐसा बदलाव हुआ जिसने देश का ध्यान इंदौर की ओर खींच दिया। 2017 में इंदौर 434 शहरों के Swachh Survekshan में पहली बार देश का नंबर-1 स्वच्छ शहर बना। यह छलांग केवल रैंकिंग की नहीं थी-यह शहर के व्यवहार में आए परिवर्तन की कहानी थी।

घर-घर से कचरा उठाना बना गेम चेंजर

स्वच्छता व्यवस्था में इंदौर ने कचरे को सड़क और खुले कचरा स्थलों से हटाकर घर से ही अलग-अलग एकत्र करने की व्यवस्था पर जोर दिया। घर-घर कचरा संग्रहण, स्रोत पर कचरे का पृथक्करण, गीले-सूखे और अन्य प्रकार के कचरे का अलग प्रबंधन, कचरे का वैज्ञानिक प्रसंस्करण, खुले कचरा स्थलों को समाप्त करना और नागरिक सहभागिता-इन सभी ने मिलकर शहर का मॉडल बदल दिया। बाद में यही सिद्धांत Swachh Bharat Mission Urban 2.0 के प्रमुख राष्ट्रीय लक्ष्यों-100% door-to-door collection, source segregation और scientific waste management-का भी हिस्सा बने।

2017 से शुरू हुआ नंबर-1 का सिलसिला

2017 में पहली बार नंबर-1 बनने के बाद इंदौर ने अपनी स्थिति बनाए रखी।

2017 - नंबर 1-2018 - नंबर 1- 2019 - नंबर 1- भारत सरकार ने 2019 के परिणाम जारी करते समय भी दर्ज किया कि इंदौर लगातार तीन वर्षों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का खिताब बनाए हुए था। इसके बाद भी इंदौर का सफर जारी रहा और शहर ने लगातार छह बार अकेले देश के सबसे स्वच्छ शहर का स्थान हासिल किया। Swachh Survekshan

2023 में परिणाम का स्वरूप बदला और इंदौर तथा सूरत संयुक्त रूप से सबसे स्वच्छ शहर घोषित हुए। भारत सरकार ने उस समय आधिकारिक रूप से उल्लेख किया कि इंदौर इससे पहले लगातार छह वर्षों तक अकेले शीर्ष स्थान पर रहा था। अब नंबर-1 से आगे-‘Super Swachh League’ स्वच्छता सर्वेक्षण की व्यवस्था में बाद में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया। लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले शहरों को सामान्य रैंकिंग में बार-बार मुकाबला कराने के बजाय Super Swachh League बनाई गई। Swachh Survekshan 2024-25 में इंदौर, सूरत और नवी मुंबई सहित उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शहर Super Swachh League में शामिल किए गए। 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की Super Swachh League की आधिकारिक सूची में इंदौर शामिल है। इसलिए 2026 में इंदौर की स्थिति को केवल “आठवीं या नौवीं बार नंबर-1” कह देना तकनीकी रूप से सही तस्वीर नहीं देता। अब इंदौर लगातार शीर्ष प्रदर्शन के कारण Super Swachh League का हिस्सा है। सफाई से आगे बढ़कर ‘स्वच्छता मॉडल’ इंदौर की उपलब्धि का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि शहर ने स्वच्छता को केवल सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं रहने दिया। नागरिकों को कचरा अलग करने के लिए प्रेरित किया गया, घर-घर वाहन पहुँचाए गए, सफाई कर्मचारियों की भूमिका मजबूत हुई, कचरे के प्रसंस्करण पर ध्यान दिया गया और लगातार निगरानी की व्यवस्था विकसित हुई। स्वच्छता अभियान में प्रशासन और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ आम नागरिकों की भागीदारी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसी कारण आज देश के दूसरे शहर भी इंदौर के अनुभव से सीख रहे हैं। 2026 में केंद्र सरकार के Swachh Shehar Jodi कार्यक्रम के अंतर्गत इंदौर ने देपालपुर के साथ मिलकर वहां कचरा पृथक्करण और legacy waste remediation में मार्गदर्शक शहर की भूमिका निभाई। 1870 से 2026-156 वर्षों का परिवर्तन यदि इंदौर की इस पूरी यात्रा को एक समयरेखा में देखें तो तस्वीर बहुत स्पष्ट दिखाई देती है- 1870 - पहली नगरपालिका का गठन, 1906 - नगरपालिका का अपना पावर हाउस और नई जलापूर्ति व्यवस्था, 1912 - निर्वाचित नगरपालिका शासन की ऐतिहासिक शुरुआत, 1947 के बाद - मध्य भारत में प्रथम श्रेणी नगरपालिका, 1956 - मध्यप्रदेश गठन के साथ इंदौर नगर निगम बना, 2014 - स्वच्छता सर्वेक्षण में 149वीं रैंक, 2016 - मिलियन-प्लस शहरों में 25वीं रैंक, 2017 - पहली बार देश का सबसे स्वच्छ शहर, 2018-2022 - लगातार शीर्ष स्थान का सिलसिला, 2023 - इंदौर और सूरत संयुक्त रूप से सबसे स्वच्छ शहर, 2024-25 - इंदौर Super Swachh League में शामिल 2026 - इंदौर का स्वच्छता अनुभव दूसरे नगरीय निकायों के लिए mentorship मॉडल के रूप में भी उपयोग हो रहा है।